IQAC की बैठक 23/11/19

आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ की बैठक आज दिनांक 23/11/19 को पूर्वान्ह 11:00 बजे आयोजित हुई। जिसमें निम्नानुसार सदस्य उपस्थित हुए, यथा :-

क्रमांक	नाम	हस्ताक्षर
1	डॉ. के. श्रीवास्तव	
2	एच. एन. बागची	
3	आर. के. गुप्ता	
4	विशाल बन्ने	
5	अंजना शर्मा	
6	मयंक कुमार तिवारी	
7	मृत्युंजय शुक्ल	
8	सुरेन्द्र सिंह	
9	गणेश कुमार	
10	पवन कुमार खरे	23/11/19
11	शरद जायसवाल	
12	R.P. मजूमदार	
13	राधिका प्रसाद मिश्र	
14	योगेन्द्र कुमार बंसल	
15	डॉ. नीरज कुमार	
16	प्रो. शैलेश चौबे	
17	प्रो. राकेश बाजपेयी	23.11.19
18	प्रो राम शंकर	23/11/19
19	प्रो० जी० के० सिंह	23/11/2019
20	प्रो जगमोहन केसर	23/11/19

21. [illegible]
22. डॉ. अभय गुप्ता
23 Mridula Dube — 23.11.19
24. Manda Rao — 23/11/19
25. Dr. M. ASHFAQ ARIF Chairman BOS (Urdu) — 23/11/19
26. Dr. Pushpa Kaswal, Chairman BOS English — 23/11/19
27. Dr. Kamna Srivastava (Psychology) — 23.11.19
28 Mrs. Sudha Mehta MKB Psychology — 23.11.19
29. Dr. Meena Upadhyay BOS (Hindi)
30. Dr (Mrs.) Kiran Shukla — 23/11/19
31. Dr. A. C. Tiwari (Chairman (BOS) Geog. — 23/11/19
32. Dr. Pramila Sharma — 23/11/19
33. Dr. Tamina Rathore — 23/11
34. Dr. Pramesh Pandey
35. Dr. Vishwas Patel — V.P.
36. Dr. Dharmendra Kumar (Dept. of Management)
37. Dr. Mushtaq Khan (Dept of Pharmacy)
38. Prof. S.S. Sandhu Dept. of Biotechnology — Sandhu

Convener
IQAC, RDVV
Jabalpur

Vice Chancellor
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur (M.P.)

राजनीति शास्त्र विषय 23/11/19

राजनीति विज्ञान

दिनांक 23.11.2019 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ सा.कु.वि.वि. के तत्वाधान मे राजनीति विज्ञान विषय के अध्ययनमंडल की बैठक स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमो के परीक्षण एवं परिवर्धन विषय पर आयोजित की गई। जिसमे स्नातक स्तर के विद्यार्थियो एवं अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञो द्वारा पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने हेतु गहन विचार मंथन किया गया। तत्पश्चात विशेषज्ञो द्वारा निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत किए गए।

1. बी.ए. प्रथम वर्ष ~~द्वितीय~~ प्रथम प्रश्न पत्र यथावत रहेगी

2. बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र
इकाई - 1. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन : प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857, असहयोग आंदोलन (1920), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930), भारत छोड़ो आंदोलन (1942)
इकाई - 2 यथावत रहेगी
इकाई - 3 यथावत रहेगी
इकाई - 4 यथावत रहेगी
इकाई - 5. लोक अदालत

3. बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र
इकाई - 1, 2, 3, 4 यथावत रहेगी
इकाई - 5 - महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर राममनोहर लोहिया, दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक विचार

4. बी. ए. द्वितीय वर्ष ~~द्वितीय~~ द्वितीय प्रश्न पत्र
इकाई - 1, 2, 3 यथावत रहेगी
इकाई - 4 में पाकिस्तान के संविधान के स्थान पर चीन के संविधान; साम्यवादी दल को शामिल किया जाए
इकाई - 5 में सूडान व अफगानिस्तान के संविधान के स्थान पर पाकिस्तान, नेपाल व श्रीलंका के संविधान की प्रकृति व विशेषताएँ

5. बी. ए. तृतीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र
यथावत रहेगा - इकाई - 1, 2, 3, 4.
इकाई - 5. आयव्ययक
6. बी. ए. तृतीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र

इकाई - 1, 2, 3, ~~4~~ यथावत रहेगी
इकाई - 4 में भारत में बजट शामिल किया जाये।
इकाई - 5 यथावत रहेगी

(1) Proj Ram Shankar
(2) Prof Sulekha Mishra — 23.11.19
(3) Dr. Vishwas Patel — 23/11/19
(4) Dr. Tarima Rathore — 23/11/19
(5) Dr. Poornima Sharma — 23/11/19
(6) Dr. Praveen Pandey

Ankit — Ankit Haldakar (Students)
[illegible] — Gaurang Gautam (")
Rohit — Rohit Singh (")

Shalini Kanojiya — Shalini (")
Anjali — Anjali (")
Arjun [illegible] — Arjun (")
Pooja V. Student — Pooja (")

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांक 23.11.2019 को विज्ञान भवन में आयोजित कार्यशाला में पाठ्यक्रम परीक्षण एवं परिवर्तन पर चर्चा हुई। जिसमें मनोविज्ञान अध्ययन मंडल की ओर से निम्नलिखित सुझाव दिए —

1. वर्ष 2019 में ही तीन बार पाठ्यक्रम पर चर्चा हो चुकी है एवं इसे अखिल भारतीय स्तर का बनाया चुका है अतः सैद्धांतिक पाठ्यक्रम में परिवर्तन नहीं किया गया परंतु प्रायोगिक पाठ्यक्रम को समय से जोड़ने एवं व्यवहारिक उपयोगिता हेतु निम्नानुसार परिवर्तन हेतु सुझाव दिए गए —

1. डॉ. संतोष चौबे
2. सुचरिता मेहता
3. डॉ. कामनी श्रीवास्तव

23.11.19

23.11.19

मनोविज्ञान

बी.ए. प्रथम वर्ष

मनोविज्ञान के प्रायोगिक कार्य भाग B में निम्नानुसार परिवर्तन किया जा सकता है-

1. विभिन्न सामाजिक आर्थिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन : जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हेतु सुझाव दिए जा सकें।

2. शहरी एवं ग्रामीण परिवेश की बालकों की चिंता का अध्ययन : जिससे चिंता कम करने हेतु परामर्श दिया जा सके

3. विभिन्न संस्कृति / समाज की ~~बालकों~~ विद्यार्थियों की जीवन संतुष्टि का अध्ययन : जिससे जीवन संतुष्टि को बढ़ाने हेतु सुझाव दिए जा सके जिससे श्रेष्ठ एवं सकारात्मक मूल्यों वाले नागरिक बन सके

4. विद्यार्थियों के प्रतिबल का अध्ययन, जिससे उन्हें प्रतिबल प्रबंधन के तरीके बताए जा सकें, जिससे वे तनाव रहित होकर उच्च उपलब्धि हेतु प्रेरित हो सकें।

B.A. II

1. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन जिससे उन्हें संवेगात्मक बुद्धि के विकास हेतु कार्यक्रम सुझाए जा सकें।

2. विभिन्न संस्कृति के विद्यार्थियों की जीवन शैली का अध्ययन, जिससे उन्हें उत्कृष्ट

जीवन शैली अपनाने हेतु सलाह दी सके।

3. विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों की व्यक्तिगत संबंधी आदतों का सर्वेक्षण; जिससे उन्हें उनकी व्यक्तिगत संबंधी आदतों हेतु परामर्श दिया जा सके, जो उन्हें उनकी व्यक्तित्व हेतु मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जिससे वे अपने व्यावसायिक क्षेत्र का चुनाव कर सके।

4. ग्रामवासी/गैरग्रामवासी तथा शहरी/ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों के समायोजन का सर्वेक्षण जिससे उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में सुसमायोजित होने के लिए परामर्श दिया जा सके, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

Q.A. III

1. किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक व्यवहार जिससे विभिन्न सामाजिक पक्षों के विद्यार्थियों को पहचान कर; उनके सामाजिक गुणों को सकारात्मक रूप से बढ़ाने के लिए सुझाव दिए जा सके, ताकि उनकी सामाजिक विकासशील की प्रगतिशीलता को निर्धारित किया जा सके, जिससे उनके सामाजिक समायोजन में सुधार हो।

2. विद्यार्थियों की शिक्षक के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन, जिससे देश के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति के विकास हेतु सुझाव दिए जा सके।

जिससे उनमें उनमें राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना विकसित हो सके जो कि सुयोग्य नागरिक बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास होगा।

3. विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों की नेतृत्व शैली का अध्ययन जिससे उनमें श्रेष्ठ नेतृत्व की भावना का विकास किया जा सके एवं वे अनुशासनबद्ध तरीके से सकारात्मक नेतृत्व कर सकें।

4. गृहाश्रम एवं परिवार के साथ में रहने वाले पुरुष एवं महिलाओं की जीवन संतुष्टि एवं समायोजन / चिंता / कुण्ठा / अवसाद का अध्ययन : जिससे उनमें अपने जीवन को संतोषप्रद तरीके से जीने हेतु प्रेरणा मिल सके।

दर्शनशास्त्र विषय की बैठक दिनांक 23.11.19

दर्शनशास्त्र बी०ए० प्रथम वर्ष

दर्शन विषय में बी०ए० प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में निम्न परिवर्तन किये गये।

प्रथम प्रश्न पत्र -

इकाई 1 -
समाजशास्त्र एवं नीतिशास्त्र से राजदर्शन का संबंध विलोपित कर उसके स्थान पर समाज दर्शन एवं राजदर्शन का नीतिशास्त्र से सम्बन्ध जोड़ा गया।

इकाई - 2 - यथावत रहेगी

इकाई - 3 - में
अधिकार एवं कर्तव्य, लोककल्याण कारी राज्य जोड़ा गया।

इकाई 4 - यथावत रहेगी

इकाई - 5 -
जाति भेद के स्थान पर सामाजिक न्याय जोड़ा गया।

द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रथम इकाई -
नीतिशास्त्र का मनोविज्ञान, राजनीति वि० एवं समाजशास्त्र से संबंध जोड़ा गया।

इकाई द्वितीय - यथावत

स्नातक पाठ्यक्रम के संशोधन के विषय मे

ईकाई तृतीय - यथावत
ईकाई चतुर्थ - यथावत
ईकाई - पंचम - मे
(ख) पर्यावरण चेतना, पर्यावरण के प्रति कर्तव्य जोड़ा गया।

दर्शनशास्त्र बी०ए० द्वितीय वर्ष

दर्शनशा० विषय के बी०ए० द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम मे निम्न परिवर्तन किये गये।

प्रथम प्रश्नपत्र

ईकाई 1- यथावत रहेगी
ईकाई 2 - यथावत रहेगी
ईकाई 3 - यथावत रहेगी
ईकाई 4 - के अन्तर्गत
योग एवं स्वास्थ्य वर्तमान संदर्भ मे योग की प्रासंगिकता जोड़ा गया
ईकाई 5 - के अन्तर्गत
वेदान्त एक जीवन पद्धति जोड़ा गया।

दर्शनशास्त्र बी०ए० द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र —

इकाई 1 - के अन्तर्गत
(स्टोरो के दर्शन में प्रत्ययवाद जोड़ा गया)

इकाई 2 — यथावत रहेगी

इकाई 3 — यथावत रहेगी

इकाई 4 — यथावत रहेगी

इकाई 5 - यथावत रहेगी

बी०ए० तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र -

इकाई 1 — यथावत रहेगी

इकाई 2 — यथावत रहेगी

इकाई 3 - यथावत रहेगी

इकाई 4 — यथावत रहेगी

इकाई 5 - यथावत रहेगी

बी० ए० तृतीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र –

इकाई 1 – यथावत रहेगी

इकाई 2 – मे धार्मिक चेतना जोड़ा गया

इकाई 3 – मे – धार्मिक अंधविश्वास जोड़ा गया

इकाई 4 – मे मोक्ष की अवधारणा
कर्म एवं पुनर्जन्म का सिद्धान्त जोड़ा गया

इकाई 5 – स्वामी विवेकानन्द – व्यावहारिक
वेदान्त, सार्वभौमिक धर्म जोड़ा गया
एवं विश्व धर्म की अवधारणा जोड़ा गया।

23/11/19

(प्रो० मनन कुमार तिवारी)

23.11.2019

प्रो. मलय पंकज

डॉ० नीरज दान

23. 11. 19.

आयोजन

आंतरिक गुणवत्ता हेतु महाविद्यालय द.कु.वि. जबलपुर द्वारा 28 नवम्बर 2019 को "पाठ्यक्रमों के परीक्षण व परिवर्तन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य शासन के निर्देशानुसार पाठ्यनीति शास्त्र, मनोविज्ञान एवं दर्शनशास्त्र विषयों के पाठ्यक्रमों का परीक्षण व परिमार्जन किया गया। इन पाठ्यक्रमों पर कार्यशाला में परिमार्जित पाठ्यक्रमों का विवरण प्रदर्शित है।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. रामराजेश मिश्र, अध्यक्ष हिन्दी एवं अकादमी गोपाल, विशिष्ट अतिथि प्रो. कमलेश मिश्र कुलसचिव डॉ. वी. दुर्गावती सिंह, प्रो. मोहन डागर डीन स्नातकोत्तर आई.क्यू.ए.सी. तथा अध्यक्ष प्रो. कपिलदेव मिश्र कुलपति डॉ. वी. दुर्गावती सिंह जबलपुर रहे।

कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वंदना व स्वागत गीत द्वारा प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रो. कमलेश मिश्र कुलसचिव द्वारा प्रो. रामराजेश मिश्र के कार्यकाल की याद करते हुये उनके कार्यों का परिचय प्रदान किया। प्रो. मोहन डागर डीन स्नातकोत्तर द्वारा कार्यशाला के उद्देश्य, विवरण तथा रूपरेखा का प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रो. ममता राव द्वारा राष्ट्रीय सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु दिये गये निर्देशों पर कार्यक्रम पुनर्निर्माण पर परामर्श किया गया।
प्रो. ममता राव ने वर्तमान पुनर्निर्माण, कौशल, रोजगार व शहरी ग्रामीण अंतरों के परिप्रेक्ष्य में पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण पर बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. रामराजेश मिश्र ने बैंक के पेरामीटर का विश्लेषण करते हुये ज्ञान आयोग पर आधारित प्रयोगों तथा उनमें वा. वि. वि. की उपलब्धियों तथा किये गये प्रयासों पर प्रकाश डाला।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राध्यापकों की दशा और दिशा पर प्रकाश डालते हुये सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तार पर बल दिया।
कार्यशाला के अंत में प्रो. रामशंकर अध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने सभी अतिथियों, उपस्थित संकायाध्यक्षों, अध्यक्षों, सदस्यों तथा छात्र छात्राओं के साथ साथ आंतरिक गुणवत्ता आश्वस्ति प्रकोष्ठ के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला के कार्यक्रम का कुशल संचालन डा. विशाल बन्ने द्वारा किया गया।

23/11/19 23/11/19 (S K Chaudhary) (S S Sandhu)